शिवाजी का जन्म

दो०—दसरथ जू के राम भे वसुदेव के गोपाल।
सोई प्रकटे साहि के, श्री शिवराज भुवाल ॥११॥

अर्थ—जिस प्रकार दशरथजी के श्रीरामचन्द्र और वसुदेव के गोपाल (श्री कृष्ण) उत्पन्न हुए उसी भाँति शाहजी के (ईश्वरावतार) शिवाजी प्रकट हुए।

अलंकार—यहाँ शिवाजी का अवतार होना, राम, कृष्ण आदि का नाम उल्लेख कर वचनों की चतुराई से वर्णन किया है अतः पर्यायोक्ति है।